तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, बुधवार 10 जून 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

14 श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सती चरित्र एवं ध्रुव चरित्र का हुआ...

12 टाउनशिप में सैकड़ों रिटायर कर्मियों की आवासीय ...

10वीं-12वीं पास विद्यार्थी ध्यान दें- औद्योगिक सुरक्षा एवं अग्निशमन प्रशिक्षण द्वारा नौकरी सुनिश्चित करें...

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं

विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए-**

पता: फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क करें: मो. 7697212782

Advt.

खबर संक्षेप

विकासखण्ड बेरला के ग्राम पंचायत रेवे में समाधान शिविर आज

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज 10 जून जनपद

पंचायत बेरला के ग्राम पंचायत रेवे में आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

कार सवार से रकम की डिमांड, चार गिरफ्तार

भिलाई। कार सवार को जबरन रोक कर शराब पीने के लिए रकम का डिमांड करने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पदमनाभपुर पुलिस ने प्रफुल्ल सक्सेना, आनंद सक्सेना के साथ कार सीजी 07 सीके 9472 से डी-मार्ट पोटिया रोड, दुर्ग की ओर जा रहा था। हटरी बाजार बोरसी स्थित शनि देव मंदिर के पास पहुंचते ही शिवपारा बोरसी निवासी गणेश्वर निषाद, महेश्वर निषाद,शिवपारा गुलशन सोनवानी,विवेक सोनवानी ने कार को रोक दिया। इस दौरान युवकों ने पीड़ित को शराब पीने के लिए रकम का डिमांड किया। रकम नहीं मिलने पर उनके साथ गाली गलौत कर मारपीट किया। पुलिस में शिकायत के बाद चारों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

अवैध शराब के साथ दस गिरफ्तार, भेजा जेल

भिलाई। शराब का अवैध कारोबार करने वाले दस युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उतई, जामगांव आर, छावनी, नगपुरा, जेवरा सिरसा, सुपेला, धमधा, नेवई में अलग-अलग स्थानों में दबिश देकर शराब बेचने की शिकायत मिल रही थी। टीम ने दबिश देकर ग्राम गोल पेण्ड्री, उतई निवासी चेलाराम देशलहरे, ग्राम तिलोदा रनचिरई बिरजूराम ठाकुर,दुकालूराम बघेल,गुढ़ियारी, जामगांव आर . मुकेश कुमार साह उर्फ फुरूरी, कसाई मोहल्ला, छावनी शेख सत्तार, खुर्सीडीह, नगपुरा शिव पारधी, बोड़ेगांव, जेवरा सिरसा संतोष ठाकुर,फरीद नगर चन्द्रशेखर मरकाम, परकोल, धमधा यशवंती भारती, नेवई सोहन माण्डले को गिरफ्तार किया गया।

युगांडा से लौटे 3 यात्री आइसोलेट अब तक 7 भेजे जा चुके

भिलाई। सोमवार को युगांडा से आए 3 नए यात्रियों की ट्रेसिंग की गई। तीनों यात्री 7 जून को दुर्ग पहुंचे थे। वर्तमान में कुल 7 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है। विभाग के अनुसार सभी यात्रियों में इबोला संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं और न ही किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का इतिहास मिला है। एहतियात के तौर पर सभी को 21 दिनों के लिए होम आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रतिदिन सुबह और शाम फोन के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रही है।

निर्देश : भूजल संकट से निपटने सरकार का बड़ा फैसला, बारिश के बाद होगा भूजल स्तर सुधार का मूल्यांकन

15 तक सभी सरकारी-निजी भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

राज्य के शहरी क्षेत्रों में लगातार गिरते भूजल स्तर और हर वर्ष गहराते पेयजल संकट को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्षा जल संरक्षण को लेकर बड़ा और सख्त कदम उठाया है। मिली जानकारी अनुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में स्थित शासकीय, अर्द्धशासकीय तथा बड़े निजी भवनों में 15 जून 2026 तक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल संरचनाएं बनाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि वर्षा ऋतु के बाद भूजल स्तर में आए सुधार का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी कराया जाएगा।

विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत सभी जिला कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को मिशन मोड में अभियान चलाकर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि यदि वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण और भूजल पुनर्भरण सुनिश्चित किया जाए तो आने वाले वर्षों में पेयजल संकट की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

भूजल गिरावट और जल संकट बना चिंता का विषय_ विभागीय आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के कई शहरी क्षेत्रों में गर्मी के मौसम के दौरान भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। बढ़ती आबादी, अनियंत्रित भूजल दोहन और वर्षा जल के पर्याप्त संरक्षण की कमी के कारण स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ऐसे में वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता बन गई है। इसी उद्देश्य से सरकार ने सभी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय कार्यालयों, विभागीय परिसरों और आवासीय परिसरों में 15 जून से पहले रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि मानसून की पहली बारिश से ही जल संरक्षण का लाभ मिल सके।

स्कूल, अस्पताल, कॉलोनी और उद्योगों में भी व्यवस्था जरूरी: सरकार के निर्देश केवल सरकारी भवनों तक सीमित नहीं हैं। आदेश के अनुसार स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, आवासीय कॉलोनियां, टाउनशिप और औद्योगिक इकाइयों में भी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ऐसे सभी संस्थानों और भवनों से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की जिम्मेदारी दी गई है कि वहां रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित और कार्यशील है। जिन भवनों में पहले से यह व्यवस्था मौजूद है, उन्हें भी इसकी कार्यशीलता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

रिचार्ज पिट निर्माण पर भी जोर: विभाग ने केवल छतों के वर्षा जल संचयन तक सीमित न रहकर ▶▶|शेष पेज 13 पर

150 वर्गमीटर से बड़े भवनों पर विशेष निगरानी

सरकार ने 150 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंडों और भवनों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए हैं। सभी नगरीय निकायों को ऐसे भवनों की सूची तैयार करनी होगी, जहां अभी तक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित नहीं किया गया है। इसके साथ ही भवन अनुमति की शर्तों का पालन नहीं करने वाले निजी भवनों, कॉलोनियों और संस्थानों के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिन भवनों की अनुमति अवधि समाप्त हो चुकी है और जहां अब तक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं की गई है, वहां जमा सुरक्षा निधि राजसात कर निकाय स्वयं एजेंसी के माध्यम से सिस्टम स्थापित कराएंगे।

प्रमुख अभियंता कार्यालय होगा नोडल केंद्र

इस राज्यव्यापी अभियान के सफल संचालन के लिए संचालनालय स्तर पर प्रमुख अभियंता कार्यालय को नोडल एजेंसी बनाया गया है। यह कार्यालय सभी निकायों से प्रगति रिपोर्ट प्राप्त करेगा और अभियान की सतत निगरानी करेगा। निकायों को अपनी कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय- सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा।

बारिश के बाद होगा प्रभाव का आकलन

इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसके परिणामों का भी मूल्यांकन किया जाएगा। आदेश के अनुसार आगामी दो महीनों में कितनी वर्षा जल संचयन संरचनाएं निर्मित हुईं, कितने भवनों में सिस्टम स्थापित हुआ और वर्षा ऋतु के बाद भूजल स्तर में कितना सुधार आया, इसका विस्तृत आकलन किया जाएगा। विभाग का मानना है कि यदि यह अभियान प्रभावी ढंग से लागू हुआ तो भविष्य में शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण को नई दिशा मिलेगी और हर वर्ष उत्पन्न होने वाले पेयजल संकट से बड़ी राहत मिल सकेगी। 15 जून 2026 तक सरकारी, अर्द्धशासकीय और बड़े निजी भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य। स्कूल, अस्पताल, कॉलोनी, टाउनशिप और औद्योगिक इकाइयां भी दायरे में। 150 वर्गमीटर से बड़े भवनों की विशेष निगरानी होगी। नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई और सुरक्षा निधि राजसात करने का प्रावधान। बोरवेल, हैंडपंप और उद्यानों के पास रिचार्ज पिट निर्माण पर जोर। वर्षा ऋतु के बाद भूजल स्तर में सुधार का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाएगा।

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा मुख्य 4 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में ऑनलाइन क्रिकेट आईपीएल सट्टा रैकेट के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। सिटी कोतवाली पुलिस ने इस

- मोबाइल के जरिए संचालित हो रहा था नेटवर्क, खातों के लेन-देन और संपर्कों की जांच जारी

मामले में फरार चल रहे चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों के कब्जे से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस अब उनके बैंक खातों में हुए लेन-देन और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार 6 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर बीटीआई ग्राउंड कोबिया बेमेतरा में छापेमार कार्रवाई की गई थी। इस दौरान आरोपी महेंद्र सोनी को ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खेलते हुए पकड़ा गया था। उसके कब्जे से एक स्क्रीन टच मोबाइल तथा 40 हजार रुपये नगद जब्त किए गए थे। मामले की विवेचना के दौरान कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 मोबाइल फोन और नगदी सहित लगभग 2 लाख 35 हजार रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई थी।

जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क में अन्य लोगों की संलिप्तता की जानकारी मिली। इसके बाद फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई। 8 जून पुलिस ने इस नेटवर्क के मुख्य संचालक माने जा रहे चार आरोपियों नयन राजपूत (27 वर्ष), रौनक सलुजा (37 वर्ष), सीनू सलुजा (38 वर्ष) और जुनेद (34 वर्ष) को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 7 तथा बीएनएस की धारा 112 के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार चारों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया है। जहां से उन्हें जमानत मुचलके पर छोड़ा गया।

1 करोड़ की पानी टंकी बनी शोपीस, ग्राम साजन के घरों तक नहीं पहुंचा पानी, ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानखम्हरिया

साजा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम साजन में लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पानी टंकी ग्रामीणों के लिए अब तक केवल शोपीस बनकर रह गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि टंकी का निर्माण हुए तीन वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आज तक गांव के किसी भी घर के नल तक एक बूंद पानी नहीं पहुंचा है।

- तीन साल बाद भी शुरू नहीं हुई जलापूर्ति, ग्रामीण परेशान

ग्रामीणों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से पानी टंकी का निर्माण कराया गया था। निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद जलापूर्ति शुरू नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में पेयजल की समस्या लगातार बनी हुई है और लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पाने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पानी टंकी को शीघ्र चालू कर घर-घर जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ग्राम साजन के लोगों ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ कागजों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर ग्रामीण आज भी पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने शीघ्र कार्रवाई कर गांव में नियमित जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

समय पर पूरा करें लक्ष्य वरना कार्रवाई : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना सहित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित कुपोषण मुक्ति अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी विकास एवं अधोसंरचना कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना और बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के ▶▶|शेष पेज 13 पर

प्री-बीएड में 1502 और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 778 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

कल व्यापम की दो बड़ी प्रवेश परीक्षाएं, जिले के 8 केंद्रों में 2280 परीक्षार्थी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा 11 जून को एक साथ दो महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिले में प्री-बीएड (B.Ed.) प्रवेश परीक्षा तथा बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2280 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्री-बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए जिले में 5 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें कुल 1502 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

वहीं बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए 3 केंद्र बनाए गए हैं, जहां 778 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होंगी। प्री-बीएड परीक्षा के लिए शासकीय पं. जवाहरलाल नेहरू शासकीय कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा, शासकीय लक्ष्मण प्रसाद वैद्य शासकीय कन्या महाविद्यालय बेमेतरा, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा तथा सेजेस हिन्दी माध्यम विद्यालय बेमेतरा में 360-360 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। वहीं ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल बेमेतरा में 62 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए सेजेस शासकीय शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बेमेतरा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बावा मोहतरा में 300-300 अभ्यर्थियों की व्यवस्था की गई है। जबकि पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा-कुसमी में 178 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

0 परीक्षा से दो घंटे पहले पहुंचना होगा केंद्र

जिला समन्वयक एवं शासकीय पं. जवाहरलाल नेहरू शासकीय कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा के वरिष्ठ प्राध्यापक डी.आर. साहू ने बताया कि व्यापम द्वारा इस बार सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम दो घंटे पूर्व अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य होगा, ताकि सत्यापन एवं फ्रिस्किंग की प्रक्रिया पूरी की जा सके। उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व यानी सुबह 9:30 बजे परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मूल पहचान पत्र लाना अनिवार्य: प्रवेश पत्र के साथ परीक्षार्थियों को फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र भी साथ लाना होगा। मान्य पहचान पत्रों में आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, पैन कार्ड एवं ड्राइविंग लाइसेंस शामिल हैं। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों को मिलेगी विशेष सुविधा: जिला समन्वयक डी.आर. साहू ने बताया कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए इस बार सहयोगी ▶▶|शेष पेज 13 पर

ड्रेस कोड और प्रतिबंधित सामग्री पर विशेष सख्ती

व्यापम ने परीक्षा के लिए ड्रेस कोड भी निर्धारित किया है। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले वस्त्र पहनकर ही परीक्षा केंद्र में आने की अनुमति होगी। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैंगनी तथा गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े पहनना प्रतिबंधित रहेगा। फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनने की अनुमति होगी। कानों में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना पूरी तरह वर्जित रहेगा। परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस, पर्स, बेल्ट, टोपी सहित किसी भी प्रकार के संचार या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। धार्मिक अथवा सांस्कृतिक परिधान पहनकर आने वाले परीक्षार्थियों को अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। ऐसे अभ्यर्थियों को समय से काफी पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है।

आकाशवाणी रायपुर में गूंजी डॉ. सियाराम साहू की आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

आकाशवाणी रायपुर के समन्वित साहित्यिक पत्रिका कार्यक्रम /"मोर भुइंया/" में साजा नगर के व्याख्याता एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सियाराम साहू की वार्ता छत्तीसगढ़िया लोक जीवन में बरखा ऋतु/" प्रसारित हुई। वार्ता को श्रोताओं ने सराहा। डॉ. साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्षा ऋतु केवल मौसम नहीं, बल्कि खेती, लोकसंस्कृति और पर्व-त्योहारों का उत्सव है।

उन्होंने हरेली, भोजली, तीजा, पोला, गणेशोत्सव और नवरात्रि जैसे पर्वों तथा वर्षाकालीन खानपान और लोकजीवन पर उनके प्रभाव की चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. दीपशिखा पटेल की कहानी और डॉ. मीता अग्रवाल की कविता का भी वाचन हुआ। कार्यक्रम का संपादन आकाशवाणी रायपुर के सहायक निदेशक महेंद्र कुमार साहू ने किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. सियाराम साहू लंबे समय से आकाशवाणी से जुड़े रहे हैं तथा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम /"दूध मोगरा/" के मंच संचालक और छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग से भी संबद्ध हैं।

खबर संक्षेप

जेएलएनएच को मिली ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल की मान्यता

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएच) को'ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल' की मान्यता बीपीएनआई और एसोसिएशन ऑफ हेल्थ प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) द्वारा प्रदान की गई है। यह अस्पताल भी सफल स्तनपान के डब्ल्यूएचओ के कार्यक्रम के तहत शामिल हो गया है। यह सम्मान बीपीएनआई के केंद्रीय समन्वयक डॉ. अरुण गुप्ता तथा एएचपीआई के महानिदेशक डॉ. गिरधर ज्ञानी द्वारा प्रदान किया गया।इस सफलात में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी व डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर सहित पूरी टीम का योगदान रहा।

पोस्टर और नृत्य के माध्यम से बताया, पर्यावरण संरक्षण और योगा का महत्व

भिलाई। लीनेस क्लब भिलाई द्वारा सामान्य सभा और संचालक मंडल की बैठक होटल क्रॉस रोड में आयोजित की गई। जिसमें जून माह की गतिविधियों का एजेंडा तैयार किया गया। इस दौरान जून की प्रमुख गतिविधियों में पर्यावरण और योगा से संबंधित कार्य करने पर चर्चा की गई, साथ ही पर्यावरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिस पर सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। इसके महत्व को पोस्टर, स्किट एवं नृत्य के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया, साथ ही वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। योग सत्र का आयोजन कर सभी सदस्यों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य मौजूद रहे।

बीएसपी कर्मियों के लिए चालू हो नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशन स्कीम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

स्टील इम्पलाइज यूनियन इंटक की सीजीएम के साथ हुई बैठक

स्टील इम्प्लाइज यूनियन (इंटक) के प्रतिनिधिमंडल की बैठक कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा के साथ हुई। बैठक में यूनियन ने बीएसपी कर्मियों की नान फायनेंशियल मोडिवेशन स्कीम कोशुरु करने सहित अन्य लंबित मांगों को जल्द पूर्ण करने की मांग की। 2007 की इंसेंटिव स्कीम का पुनरीक्षण कर नई एवं प्रभावी इंसेंटिव स्कीम लागू करने की मांग की। इंटक ने कहा कि कोक ओवन के कर्मटाकी उत्पादन को बढ़ानें महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। बीएससी के साथ सेल के अन्य इस्पात संयंत्रों को भी भिलाई से कोक की आपूर्ति की जा रही है। ऐसे में कर्मियों को मनोबल को बढ़ाने नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशन स्कीम लागू किया जाना आवश्यक है। सीजीएम ने जानकारी दी कि की मांग पर कोक ओवन में मॉडल रेस्ट रूम विकसित किया जा रहा है। सभी रेस्ट रूम में टाइल्स, कूलर तथा आरामदायक नई बेंचों की व्यवस्था की जा रही है। कैंटीन को भी सुव्यवस्थित बनाया जा रहा है तथा विभाग के आंतरिक मार्गों का सुधार कार्य चल रहा है। कोक ओवन बैटरी-11 के पीछे लिफ्टर क्षेत्र में कार्यरत ऑपरेटरों को बारिश से बचाने शेड का निर्माण किया जा रहा है।

श्रमिकों सुरक्षा उपकरण मिलें

बैठक में यूनियन के महासचिव संजय कुमार साहू ने सभी कंट्रोल रूम में लगे पैकेज एसी की कार्यक्षमता सुधारने, ठेका श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने, पूर्ण वेतन सुनिश्चित करने तथा तकनीकी उन्नयन के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की मांग की। बेहतर हाउसकीपिंग, प्री-मानसून तैयारियां तथा पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप कोक ओवन बैटरियों का संचालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। सीजीएम ने आश्वस्त किया कि कर्मचारियों के लिए बेहतर रेस्ट रूम, कार्यस्थल एवं कार्य प्रणाली विकसित करने के प्रयास के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अन्य मांगों पर भी उच्च प्रबंधन से चर्चा करने का आश्वासन मिला। बैठक में एजीएम प्रशांत कुमार तथा इंटक की ओर से गुरुदेव साहू, रेशम राठौर, जयराम ध्रुव, डीपी खरे, संतोष ठाकुर, मनोज कुलदीप एवं सत्येन्द्र सिंह उपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल से मिले रिटेंशनधारी, सकारात्मक परिणाम का आश्वासन

टाउनशिप में सैकड़ों रिटायर कर्मियों की आवासीय किराया वृद्धि वापस नहीं होने से बढ़ रहा असंतोष

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दिसंबर में होना है नगर निगम चुनाव

टाउनशिप में हजारों रिटायर बीएसपी कर्मचारियों के रिटेंशन आवासों की बेतहाशा किरावा वृद्धि और इस स्कीम को समाप्त करने से चिंता और असंतोष बढ़ रहा है। सेवानिवृत्तों और यूनियनों के लगातार विरोध और जन प्रतिनिधियों व प्रबंधन के आश्वासन के बाद भी पांच महीने से समस्या जस की तस बनी हुई है। रिटायर कर्मियों के बुढ़ापे में बेघर होने की नौबत आ गई है। रिटेंशनधारियों ने सांसद विजय बघेल से मिलकर बीएसपी प्रबंधन व दिल्ली स्तर पर जल्द मनामाना किराया वृद्धि वापस करवाने की मांग की। उन्होंने महीनेभर के अंदर सकारात्मक परिणाम मिलने का आश्वासन दिया है।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी द्वारा कर्मचारी व सेवानिवृत्तों के हितों में वर्षों से लागू स्कीमों को एक एक कर बंद किया जा रहा है। वर्ष 2009 से सेवानिवृत्त कर्मियों की रिटेंशन आवासीय योजना का आवासीय किराया 32 गुणा बढ़ा दिया गया है। इतना ही नहीं दिसंबर में इस मनमाना किराया वृद्धि के साथ इस स्कीम को ही बंद कर दिया गया है। इससे सैकड़ों रिटायर रिटेंशनधारियों के सड़क पर आने की नौबत आ गई है। चौदह सौ रिटेंशनधारियों का 24 रुपए वर्गफुट के हिसाब से किराया बढ़ाया गया है । किराया वृद्धि वापस लेने की मांग को लेकर पिछले 5 माह के दौरान रिटेंशनधारी बीएसपी अधिकारियों व जन प्रतिनिधियो के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अब तक आश्वासन ही मिला है। आवासधारी सांसद विजय बघेल, पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय से कई बार मिलकर कर मांग कर चुके हैं। दोनों नेताओं द्वारा प्रबंधन से चर्चा करने के साथ समाधान का भरोसा दिलाया जा रहा है। वहीं विधायक देवेंद्र यादव द्वारा मैत्रीबाग,सेक्टर नौ अस्पताल व रिटेंशनद किराया वृद्धि को लेकर दिसंबर में 5 दिनी आमरण अनशन करने के बाद भी प्रबंधन के आश्वासन बाद भी रिटेंशन का टेंशन कम नहीं हुआ है। इससे रिटेंशनधारियों में चिंता व असंतोष बढ़ रहा है। कई रिटेंशनदारी तो भारीभरकम किराया नही जमा करने के चलते मकान खाली करने मजबूर हो रहे हैं। बीएसपी भी लगातार नोटिस दे रही है।

सांसद से फिर मिले आवासधारी

5 माह बाद भी आवासीय किराया वृद्धि कम नहीं होने से निराश रिटेंशनधारियों ने फिर से सांसद विजय बघेल के निवास पर मिलकर परेशानी बढ़ने से अवगत कराया। सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण संघ के बैनर तले सेवानिवृत्त आवासधारियों ने अध्यक्ष सुरेशचंद के साथ मिलकर उन्हें बताया कि सेवानिवृत्ति में 32 गुना किराया यानी 15 हजार से 17 हजार रुपए कहां से व कैसे पटा पाएंगे। बीएसपी द्वारा लगातार नोटिस देने के साथ प्रवर्तन टीम पर भी दबाव बना रही है। रिटेंशनधारियों ने डां. शशिकुमार के घर की बत्ती काटने की भी जानकारी देते हुए जल्द स्थानीय प्रबंधन व दिल्ली सरकार से राहत दिलान की मांग की। रिटेंशनधारियों ने बताया कि सांसद ने बीएसपी व इस्पात मंत्रालय से चर्चा चलने और महीने पंद्रह दिन मे सकारात्मक परिणाम मिलने का भरोसा दिलाया है।

रिटायर कर्मियों को विधायक के मार्च का इंतजार

विधायक देवेंद्र यादव ने दिसंबर में भिलाई बचाओ आंदोलन के तहत आमरण अनशन बाद 25 मिलियन टन चौक तक विरोध पैदल मार्च तथा रिटेंशन को लेकर जनमत संग्रह के बाद इस्पात भवन के सामने बेमुद्दत डेरा डालने का ऐलान किया था। लेकिन अब तक रिटेंशन किराया वृद्धि से राहत नहीं मिलने व आंदोलन के भी ठंडा पड़ गया है रिटेंशधारियों ने बताया कि बताया कि प्रबंधन और जन प्रतिनिधियों के आश्वासन पर 5 माह बाद भी अमल नहीं होने से निराशा व असंतोष बढ़ रहा है। यदि जल्द राहत नही मिली तो भिलाई नगर व रिसाली नगर निगम चुनाव में राजनीतिक दलो को नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। इसके उलट यदि इस दौरान समस्या का निदान मिल जाता है तो इसका लाभ भी दोनों पार्टियों के प्रत्याशियों को मिलेगा।

निगम के जोन कार्यालय में सड़ रहे सरकारी दस्तावेज, पार्षद ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई नगर पालिक निगम यूं तो पूरे शहर में विकास करने का दावा कर रहा है, लेकिन हकीकत ये है कि वो अपने ही कार्यालय का सही से मरम्मत नहीं कर पा रहा है। सबसे बुरी हालत भिलाई निगम के जोन 1 कार्यालय की है। यहां कार्यालय के ग्राउंड फ्लोर में जिस कमरे में सरकारी दस्तावेज और जरूरी फाइलें रखी हैं वहां लगातार पानी टपक रहा है। इससे सभी फाइलें सड़ने लगी हैं। हालत यह है कि निगम का इतना अमला और जोन आयुक्त के रहने के बाद भी इस कमरे में सड़ रही फाइलों पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। सोमवार को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और पार्षद महेश वर्मा ने जब निगम की फाइलों की हालत देखी तो काफी नाराजगी जताई। उन्होंने वहां का वीडियो बनाया और शोसल मीडिया में वायरल करने के साथ ही जोन आयुक्त को इस तरफ ध्यान देने की बात कही। पार्षद महेश वर्मा का कहना है कि निगम शहर के विकास और गुणवत्ता को लेकर कितना गंभीर है उसका अंदाजा निगम की इन सड़ती फाइलों से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा निगम स्वच्छ भारत की राह पर चलने का दावा करता है, लेकिन अपने ही कार्यालय में साफ सफाई और फाइलों की रखरखाव के साथ कार्यालय संधारण पर ध्यान नहीं दे रहा है।

बूथ सशक्तिकरण पर हुआ दिग्गजों का मंथन

भिलाई। उतई स्थित रेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी, उतई मंडल द्वारा आत्मनिर्भर संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विधायक ललित चन्द्राकर प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। विधायक ललित चन्द्राकर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है। जब बूथ मजबूत होगा, तभी मंडल मजबूत होगा और जब मंडल मजबूत होगा तभी प्रदेश और देश मजबूत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। इसके लिए जरूरी है कि हमारा संगठन आत्मनिर्भर बने। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने बूथ का सेनापति है। हमें घर-घर जाकर मोदी सरकार और विष्णु देव साय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है।

हॉस्पिटल सेक्टर के 9 क्वार्टरों के रहवासियों को जमा करना होगा 2.72 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दुर्ग जिला न्यायालय के निर्देशानुसार संपदा न्यायालय ने हॉस्पिटल सेक्टर के 9 क्वार्टरों के निवासियों को 30 मई को नोटिस जारी कर 6 जून को जवाब प्रस्तुत करने बुलाया था। हॉस्पिटल सेक्टर के सैकड़ों निवासी संपदा न्यायालय पहुंचे तथा अधिवक्ताओं के माध्यम से अपना जवाब प्रस्तुत किया। इस दौरान संपदा न्यायालय के अधिकारी द्वारा पुनः धारा 7/3 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया, जिसमें बिजली बिल, पानी शुल्क, मकान किराया और सफाई कर के नाम पर आर्थिक दंड की मांग की गई। नोटिस के अनुसार प्रत्येक परिवार से लगभग 2 लाख 72 हजार रुपए जमा कराने कहा गया है। मेहनतकश आवास अधिकार संघ और छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति का कहना है कि जब हॉस्पिटल सेक्टर के निवासी पूर्व में संबंधित कर और शुल्क जमा करने पहुंचे थे, तब राशि लेने से इंकार कर दिया गया था। अब उन्हीं मदों के नाम पर भारी आर्थिक दंड लगाया जा रहा है। समिति ने इसे मजदूर परिवारों को डराने, परेशान करने और उनके आवास अधिकार आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास बताया है। कलादास डेहरिया ने बताया कि हॉस्पिटल सेक्टर के निवासी अपने स्थायी आवास के अधिकार के लिए सड़क से लेकर न्यायालय तक लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि संयंत्र प्रबंधन 10 एकड़ भूमि उपलब्ध करा दे, तो नगर निगम द्वारा आवास निर्माण की व्यवस्था की जा सकती है। इस दौरान तबीता, बालम्मा, अमृता, विजयम्मा, उपासनी, नारायण राव, अधिवक्ता अनुश्री, अमित वर्मा, नीरा डेहरिया, कलादास डेहरिया, संजना, प्रेम किशन, सुंदरिया, लक्ष्मी सहित सैकड़ों मजदूर और क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

समृद्ध, संगठित और शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला : सीएम विष्णुदेव साय

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

संगठित, शिक्षित और जागरूक समाज ही मजबूत राष्ट्र निर्माण की वास्तविक शक्ति होता है। समाज जितना सशक्त होगा, राष्ट्र उतना ही प्रगतिशील, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धमतरी जिले के ग्राम छाती स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित चन्द्रनाहू (चंद्राकर) कुर्मी-क्षत्रिय समाज के 55वें केंद्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कही।

- चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के 55वें केंद्रीय अधिवेशन में शामिल हुए विधायक ललित

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी-क्षत्रिय समाज समृद्ध परंपराओं, सामाजिक चेतना, संगठन क्षमता और उत्कृष्ट मूल्यों का वाहक है। यह वही समाज है जिसने देश को छत्रपति शिवाजी महाराज और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान व्यक्तित्व दिए हैं, जिनके आदर्श आज भी राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। चन्द्रनाहू समाज ने कृषि, शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, सामाजिक सेवा और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छाती से झूरानवागांव तक सड़क निर्माण, ग्राम छाती को भविष्य में नगर पंचायत का दर्जा प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने, नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण तथा समाज के लिए नवा रायपुर में सामाजिक भवन हेतु भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज ने हमेशा मेहनत, ईमानदारी और सेवा के मूल्यों को अपनाकर प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है। चंद्राकर ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक एकता और समरसता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक अजय चंद्राकर, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, लालबहादुर चंद्रवंशी, पूनम चंद्राकर, समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

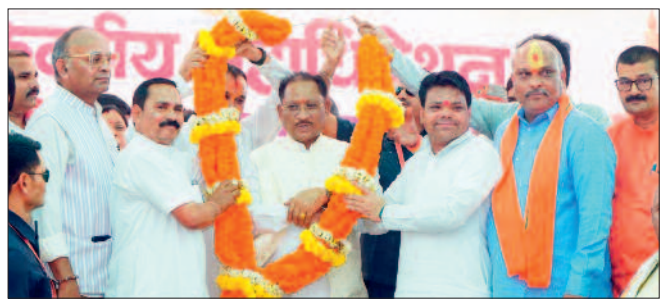

6 साल पूर्व ब्लड बैंक बंद करने की तरह सेक्टर 9 अस्पताल के निजीकण की हो रही साजिश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सीटू यूनियन ने 6 साल पूर्व सेक्टर नौ अस्पताल के ब्डल बैंक को बंद किए जाने की तरह इस अस्पताल के निजीकरण के निजीकरण का साजिश करने की बात कही है। यूनियन बीएसपी प्रबंधन को आगाह किया है कि ब्लड बैंक फिर से शुरु कराने की लिए सीटू ने जिस तरह विरोध किया था, उसी तरह आंदोलन सेक्टर नौ अस्पताल के निजीकरण के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

- निजी हाथों में देने के खिलाफ संघर्ष तेज करने सीटू ने दी चेतावनी

यूनियन ने बताया कि 4 मई 2018 को सेक्टर नौ अस्पताल के बल्ड बैंक को साजिश के तहत बंद कर दिया गया था। सीटू ने जनहित के इस मुद्दो पर जमकर विरोध किया था। यूनियन के दबाव में 8 जून को ब्लड बैंक को शुरु करना पड़ा था और सीटू ने सफलता पर रक्तदान कर कर यूनियन की ताकत बताई थी। इसी तरह सेक्टर 9 अस्पताल के निजीकरण का भी विरोध तेज होगा। आज आठ वर्ष बाद सेक्टर-9 अस्पताल को निजी हाथों में सौंपने की कोशिश हो रही है।

सेक्ट-9 अस्पताल पर हजारों बीएसपी कर्मियों सहित रिटायर व गैर संयंत्र कर्मी भी निर्भर हैं। यहां के ब्लड बैंक डेंगू महामारी के दौरान सेक्टर 9 अस्पताल सहित आसपास के अनेकों अस्पतालों में सैकड़ों मरीजों को समय पर प्लेटलेट्स उपलब्ध कराए गए।

जोन आयुक्त ने नाला सफाई, जल निकासी व्यवस्था और तालाबों की स्थिति का लिया जायजा

मानसून से पहले निगम अलर्ट, नाला सफाई और तालाब संरक्षण पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मानसून से पहले नगर पालिक निगम भिलाई ने नाला सफाई और तालाबों के संरक्षण को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। निगम के उपायुक्त और जोन-1 नेहरू नगर के आयुक्त दिनेश कोसरिया ने क्षेत्र का निरीक्षण कर नाला सफाई, जल निकासी व्यवस्था और तालाबों की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पहले सभी नालों की सफाई समय पर पूरी की जाए ताकि जलभराव की समस्या न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। सूर्या विहार के सामने स्थित तालाब का निरीक्षण कर सफाई कार्यों की समीक्षा की गई। इसके बाद आमा तालाब और जुनवानी तालाब का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, संधारण और सौंदर्यीकरण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। कोसरिया ने कहा कि तालाबों की नियमित सफाई और गाद निकासी से वर्षाजल का बेहतर संचयन संभव होगा, जिससे जलस्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी।

जोन आयुक्त ने वार्ड पार्षद मुकेश अग्रवाल और निगम अधिकारियों के साथ करीब दो घंटे तक विभिन्न समस्याग्रस्त स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान होटल इंपीरियल के पीछे, आनंद नगर, चौहान टाउन और बीएसबीके क्षेत्र सहित अन्य स्थानों की जल निकासी व्यवस्था का परीक्षण किया गया। बरसात के दौरान जल निकासी को सुचारु बनाए रखने के लिए तात्कालिक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि तालाब शहर की जल संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और अधिक से अधिक वर्षाजल संग्रहण के लिए उनका स्वच्छ एवं व्यवस्थित होना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, क्रिस्टोफर पॉल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उन्नत विद्युत प्रयोगशाला में फर्स्ट पायलट प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में स औद्योगिक विद्युत मूलभूत सिद्धांत विषय पर संयंत्र में व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार उपस्थित थे। वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षण संकाय सदस्य एवं प्रतिभागी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विद्युत शक्ति के मूल सिद्धांतों, मोटर नियंत्रण तकनीकों, विद्युत मापन उपकरणों तथा ट्रबलशूटिंग प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विद्युत सुरक्षा, डिजिटल मल्टीमीटर (डीएमएम), क्लैम्प मीटर, डायोड, थाइरिस्टर, इंसुलेटेड गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर (आईजीबीटी), इंडक्शन मोटर, स्टार-डेल्टा स्टार्टर तथा वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव (वीएफडी) विषयों को शामिल किया गया। प्रायोगिक सत्र में प्रतिभागियों को आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण उपकरणों पर हैंड्स ऑन एक्सपीरिएंस का अवसर प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने वोल्टेज एवं करंट मापन, डायोड एवं थाइरिस्टर परीक्षण, मोटर स्टार्टिंग डायनेमिक्स के अध्ययन तथा वीएफडी नियंत्रित मोटर प्रणालियों के संचालन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

घरेलू गैस सिलेंडर 1013 रुपए पहुंचा

कोलेगांव। छत्तीसगढ़ में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर बढ़ने से आम नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच गैस सिलेंडर के दाम 1013 रुपए तक पहुंच जाने से परिवारों का मासिक बजट प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए घरेलू खर्चों का संतुलन बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। बिजली, दूध, सब्जी, खाद्य सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बाद अब रसोई गैस के महंगे होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। आम परिवारों का कहना है कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि का सीधा असर उनकी बचत और दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। वहीं किसानों की परेशानी भी कम नहीं है। पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों के कारण खेती-किसानी की लागत पहले ही बढ़ चुकी है। सिंचाई, जुताई, परिवहन और कृषि कार्यों में अधिक खर्च करना पड़ रहा है। ऐसे में घरेलू गैस सिलेंडर महंगा होने से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति पर दोहरा दबाव पड़ रहा है।
लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण आम नागरिकों के लिए घरेलू खर्चों का प्रबंधन करना चुनौती बनता जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में हो रही वृद्धि से परिवारों की आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं। नागरिकों ने सरकार से मांग की है कि रसोई गैस सहित दैनिक जरूरत की वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

भाजपा का विभिन्न विषयों पर परिचर्चा बैठक

कोलेगांव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा किसान मोर्चा, जिला कबीरधाम की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी के आदेशानुसार एवं उपस्थिति में एवं जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन पटेल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, किसान हितों से जुड़े विभिन्न विषयों एवं पार्टी द्वारा निर्धारित अभियानों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही प्रदेश किसान मोर्चा के नेतृत्व एवं निर्देशानुसार 14 जून को जिला कबीरधाम में आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी 14 मंडलों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को कार्यक्रम की सफलता हेतु आवश्यक जिम्मेदारियां एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए एडवायजरी जारी

कवर्धा। जिले में मानसून की शुरूआत के साथ जलजनित, वाहकजनित एवं अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। मौसमी बीमारियों की रोकथाम, नियंत्रण और त्वरित उपचार के लिए जिलेभर में विशेष तैयारियां की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए संभावित प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढा दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ डीके तुरे ने नागरिकों से स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने तथा बीमारी के किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक दवाईयों ओआरएस पैकेट, क्लोरीन टैबलेट, एंटीबायोटिक्स एवं अन्य चिकित्सा सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

हरिनछपरा में बुनियादी सुविधाओं का संकट, पानी व जलभराव से ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

जिला मुख्यालय से लगभग आठ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत हरिनछपरा इन दिनों बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। भीषण गर्मी के बीच गांव में पेयजल संकट, जलभराव, नाली निर्माण की कमी और अन्य आवश्यक सुविधाओं के अभाव ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीण जलेश बघेल और गोरेलाल सिन्हा ने बताया कि गांव की पानी टंकी से जुड़ी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके कारण घरों तक नियमित जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। वहीं गांव का प्रमुख तालाब भी पूरी तरह मटमैला हो चुका है, जिससे उसका उपयोग निस्तारी कार्यों के लिए भी मुश्किल हो गया है।

ऐसी स्थिति में अधिकांश लोग निजी बोरवेलों के सहारे अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करने को मजबूर हैं। गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से समस्या और गंभीर हो गई है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी कई स्थानों पर जमा हो रहा है। विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 11 और मुख्य चौक के आसपास की गलियों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है। इससे लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण मच्छरों और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वार्ड क्रमांक 11 के ग्रामीण राजेंद्र कुमार, आनंद, सोनू कुर्रे, लखन कुर्रे और दिलीप कुर्रे सहित अन्य लोगों ने वार्ड पंच दिनेश आनंद से नाली व सीसी सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सबसे पहले जलभराव की समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। ताकि लोगों को आने.जाने में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

फाइल फोटो

पंचायत प्रतिनिधि समस्या को गंभीरता से उठाएं

ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों से भी मांग की है कि वे जनपद पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर इस समस्या को गंभीरता से उठाएं। उनका कहना है कि पेयजल संकट, बिजली व्यवस्था, नाली निर्माण, सीसी सड़क और पानी टंकी की पाइपलाइन मरम्मत जैसे कार्यों के लिए संबंधित विभागों को तत्काल निर्देश दिए जाने चाहिए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि गांव के प्रमुख तालाब के पास अतिरिक्त जलस्रोत विकसित करने के लिए बोर खनन कराया जाए और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जलापूर्ति व्यवस्था को सुधारने के लिए शीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो गर्मी के मौसम में करीब दो हजार लोगों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर मूलभूत समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। ताकि गांव के लोगों को राहत मिल सके और बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधे नहीं बच सके

देखरेख के अभाव में स्कूल परिसर से हरियाली गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭बरबसपुर

विश्व पर्यावरण दिवस, वर्षा ऋतु और विभिन्न वृक्षारोपण अभियानों के दौरान लगाए गए पौधों की सुरक्षा और देखरेख में लापरवाही का मामला बरबसपुर क्षेत्र में सामने आया है। जिला मुख्यालय से लगभग 5 से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल और हॉयर सेकेंण्डरी विद्यालय परिसरों में कभी पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया गया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि इन परिसरों में एक भी पौधा जीवित नजर नहीं आ रहा है।

विकासखंड कवर्धा और विकासखंड बोड़ला के अंतर्गत आने वाले इन विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न अवसरों पर पौधे लगाए गए थे। उस समय पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई और संरक्षण के लिए भी संकल्प लिया गया था, लेकिन समय बीतने के साथ पौधों की देखरेख नहीं हो सकी, जिसके कारण अधिकांश पौधे शुरुआती अवस्था में ही सूखकर नष्ट हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालयों में नियमित जलवाहक और चपरासी की व्यवस्था नहीं होने से पौधों को समय पर पानी नहीं मिल पाया।

वहीं कई स्थानों पर पौधों की सुरक्षा के लिए लगाए गए तार और घेरे भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे मवेशियों ने पौधों को नुकसान पहुंचाया। जिन विद्यालय परिसरों में बाउंड्रीवाल नहीं है, वहां स्थिति और भी गंभीर रही। खुले परिसर में घूमने वाले मवेशियों के कारण पौधों का संरक्षण नहीं हो सका और वे धीरे-धीरे समाप्त हो गए। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि पौधों की नियमित देखरेख की जाती, उन्हें समय पर पानी दिया जाता और सुरक्षा घेरों का रखरखाव किया जाता, तो आज विद्यालय परिसर हरियाली से आच्छादित दिखाई देते। स्कूलों का वातावरण भी अधिक स्वच्छ और प्राकृतिक होता, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलता।

वृक्षारोपण केवल औपचारिकता

ग्रामीणों और पालकों ने बताया कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और परवरिश की जिम्मेदारी तय नहीं की गई, जिसके परिणामस्वरूप अभियान का उद्देश्य अधूरा रह गया। उनका कहना है कि पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप लें और परिसर को हरा-भरा बनाएं।

चपरासी व जलवाहक नियुक्ति की मांग

क्षेत्रवासियों ने शासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि सभी शासकीय विद्यालयों में चपरासी व जलवाहक की तत्काल नियुक्ति की जाए। इससे न केवल विद्यालय परिसरों की स्वच्छता और सुरक्षा बेहतर होगी, बल्कि पौधों की नियमित देखरेख भी सुनिश्चित हो सकेगी। ग्रामीणों ने शिक्षा मंत्री से भी इस मामले में संज्ञान लेने और आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है।

गौमाता राष्ट्र माता बने, देश में गौ-हत्या बंद होः पं आनंद उपाध्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

ग्राम पलानसरी में गौ-रक्षा ग्राम रक्षा विश्व कल्याण के लिए आयोजित श्री

विष्णु महायज्ञ एवं श्री राम कथा के चौथे दिन पं आनंद उपाध्याय ने कहा कि संसार के प्राणियों के कल्याण के लिए दुर्गा माता ही गौ-माता बन करके आई हैं, भगवान शिवजी नंदी बने हैं, सरलता पूर्वक गौवंश की सेवा हो जाती है हर व्यक्ति गौ-वंश की सेवा कर सकता है और भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा प्राप्त कर सकता है, हमारे सेवा करने से जब गौ-वंश प्रसन्न हो जाते हैं, हमारी मनोकामना पूर्ण हो जाती है सिद्धियों की भी प्राप्ति हो जाती है। गौ माता धरती पर पाप होता है धरती पर जब अत्याचार बढ़ जाता है गौ-माता धरती का रूप धारण करके भगवान के पास जाती है। गौवंश सुखी रहेगा तो मानव जाति भी सुखी रहेगी, गाय बचेगी तो देश बचेगा, गाय सुखी रहेगी तो देश सुखी रहेगा, गाय बचेगी तो मानव जाति बचेगी, गाय के सुखी रहने से संपूर्ण मानव समाज सुखी रहेगा, जब गौ माता को दुख पहुंचाया जाता है गौ माता की हत्या की जाती है तो उसकी करुण पुकार उसकी वेदना भूकंप के रूप में ज्वालामुखी के रूप में है मृत्यु महामारी के रूप में मनुष्यों को कष्ट भोगना पड़ता है। इसीलिए सभी को गौवंश की सेवा करनी चाहिए, गौ माता को देश के स्तर पर राष्ट्र माता का सम्मान मिलना चाहिए राज्य के स्तर पर राज्य माता का सम्मान मिलना चाहिए संपूर्ण देश में पूर्ण रूप से गौ हत्या बंद होनी चाहिए गौ माता के चरण के रज का जो तिलक लगाता है वह संपूर्ण पापों से मुक्त हो जाता है और उसे गंगा स्नान का फल मिलता है गौ माता के चारा पैरा को जलाना नहीं चाहिए पैरा जालना बहुत बड़ा पाप है। पैरा को गौवंश तक गौशाला तक पहुंचा देना चाहिए। हम सभी को मिलकर के गौवंश की सेवा करनी चाहिए गाय की सेवा करने से भगवान बहुत जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं।

ग्रामीण पतरोई से घर को ढकने में जुटें

हरिभूमि न्यूज ⏭कोलेगांव

ग्रामीण क्षेत्रों में कभी खपरा (मिट्टी की छत टाइल) से बने घरों की पहचान हुआ करती थी। गांवों में अधिकांश मकान खपरा से ढके रहते थे, जिससे घर गर्मी में ठंडे और रहने योग्य बने रहते थे। लेकिन समय के साथ पक्के मकानों का निर्माण तेजी से बढ़ा है, जिसके कारण खपरा का उपयोग लगातार कम होता जा रहा है। आज स्थिति यह है कि कई गांवों में खपरा आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले स्थानीय स्तर पर ही मिट्टी से खपरा तैयार किया जाता था और गांवों में इसकी पर्याप्त उपलब्धता रहती थी। लोग वर्षों तक खपरा वाले घरों में आरामदायक जीवन व्यतीत करते थे। अब अधिकांश परिवार सरकारी आवास योजनाओं और अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार सीमेंट-कंक्रीट के पक्के मकान बना रहे हैं। इससे खपरा बनाने और बेचने का परंपरागत समाप्त चुकी है। खपरा नहीं मिलने के कारण कई ग्रामीण परिवार अपने पुराने मकानों को गन्ने की पतरोई (सूखे पत्तों) से ढकने के लिए मजबूर हैं। विशेष रूप से खपरा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में कई घरों में यह व्यवस्था देखने को मिलती है। ग्रामीणों के अनुसार गन्ने की पतरोई से ढकी छत गर्मी के मौसम में घर के अंदर अपेक्षाकृत ठंडक बनाए रखती है और प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करने में मदद करती है। हालांकि यह व्यवस्था अस्थायी होती है और हर वर्ष इसकी मरम्मत या बदलाव की आवश्यकता पड़ती है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मजबूत हो रही खेती

कवर्धा। देश के अन्नदाताओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज ग्रामीण भारत के लिए एक बड़ी जीवनदायिनी साबित हो रही है। इसी योजना से लाभान्वित कबीरधाम जिले के ग्राम सोनझरी निवासी किसान पोषलाल साहू ने बताया कि उन्हें वर्ष 2019 से अब तक योजना की 22 किस्तों का लाभ प्राप्त हो चुका है। उनके खाते में अब तक 44 हजार रुपए की राशि मिल चुकी है। समय-समय पर सीधे बैंक खाते में मिलने वाली सहायता राशि ने उनकी खेती-किसानी को नई मजबूती दी है। पोषलाल साहू बताते हैं कि पहले खेती के मौसम में खाद, बीज और अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था करने में कई बार आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली राशि जरूरत के समय सहारा बन रही है। वे इस राशि का उपयोग खेती की तैयारी, कृषि सामग्री की खरीद और अन्य आवश्यक खर्चों में करते हैं, जिससे खेती का काम समय पर शुरू हो जाता है। उन्होंने बताया कि खेती के दौरान छोटी-छोटी जरूरतों के लिए तत्काल धन की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में योजना के तहत सीधे खाते में आने वाली सहायता राशि आर्थिक दबाव कम करने में मदद करती है। इससे कृषि लागत का बेहतर प्रबंधन संभव हुआ है और खेती के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ा है। पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार की सहायता राशि तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है।

दीदियों को प्रोत्साहित करने कार्यशाला आयोजित

■ व्यवहारिक ज्ञान, संसाधन व परिचर्चा बनेगी प्रगति की नींव।

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के 16 क्लस्टर लेवल फेडरेशन की दीदियों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पंचायत प्रशिक्षण केंद्र ग्राम महाराजपुर में किया गया।

कार्यक्रम में सीएलएफ की दीदियों और सामुदायिक कैडरों के साथ ब्रेनस्टॉर्मिंग और को लर्निंग के सिद्धांतों पर कार्यक्रम किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से हाथों को हुनरमंद बनाया जा सके और इन कार्यो में व्यवहारिक ज्ञान का समावेश करते हुए इसे सफलता के मुहाने पर पहुंचा जा सके। कार्यशाला के दौरान विभिन्न सीएलएफ के कार्यों, स्व-सहायता समूहों की प्रगति, आजीविका गतिविधियों, वित्तीय समावेशन, बैंक लिंकेज एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों पर भी बात की गई। मिशन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान योजना से जुड़े जिला एवं जनपद स्तर की पूरी टीम विशेष रूप से उपस्थित थें।

व्यवहारिक ज्ञान के समावेश से मिलेंगे बेहतर नतीजे

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल ने चर्चा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण में नई पद्धति का समावेश कर इसे और भी रोचक बनाया गया। समूह की दीदियों को आपस में व्यापार बढ़ाने का सुझाव दिया गया। एक समूह द्वारा बनाए जा रहे उत्पादन की खपत उनके अपने क्षेत्र की दूसरी समूह या अन्य क्षेत्र के समूहो के पास हो सकता है। यह विचार एक की आवश्यकता दूसरे का व्यापार के सिद्धांत पर आधारित है। इसके साथ ही महिला उद्यमी के रूप में बेहतर कार्य करने वाले पीआरपी, एफएलसीआरपी एवं आरबीके को प्रशस्ति पत्र मोमेंटो भेट कर सम्मानित किया गया। समूह सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन एवं सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले इन कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

शिव-पार्वती विवाह में उमड़े भक्तगण भूत-प्रेत के साथ निकली शिव बारात

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

नगर के परमेश्वरी वार्ड सकरी नदी के किनारे में देवांगन परिवार द्वारा आयोजित श्री सोमेश्वर शिवमहापुराण कथा के तीसरे दिन भक्ति और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य सुमित भारद्वाज महाराज ने शिव महिमा, दीपदान का महत्व और शिव-पार्वती विवाह का अत्यंत सजीव व संगीतमय वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

कथा के तीसरे सत्र की शुरुआत करते हुए महराज ने बताया कि भगवान शिव ही परब्रह्म और सम्पूर्ण सृष्टि के आधार हैं। इसके बाद उन्होंने गुणनिधि नामक एक पापी और जुआरी ब्राह्मण पुत्र की कथा सुनाई।

माता-पिता द्वारा त्यागे जाने के बाद गुणनिधि ने भूख से व्याकुल होकर अनजाने में ही एक शिव मंदिर में अपने फटे वस्त्र से बुझते हुए दीपक को प्रज्वलित कर दिया था। अनजाने में किए गए इस दीपदान के पुण्य से उसके सारे पाप भस्म हो गए और प्राण छूटने पर उसे शिवलोक की प्राप्ति हुई। यही गुणनिधि अगले जन्म में तपस्या कर देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर बने।

सती चरित्र और 51 शक्तिपीठों की स्थापना

कथा को आगे बढ़ाते हुए आचार्य ने प्रजापति दक्ष के यज्ञ और माता सती के आत्मदाह का प्रसंग सुनाया। भगवान शिव के अपमान से क्रोधित होकर माता सती ने योगाग्नि में अपना देह त्याग दिया था। इसके बाद शिव जी के क्रोध और वीरभद्र द्वारा दक्ष के संहार का वर्णन हुआ। भगवान विष्णु ने अपने चक्र से सती के शरीर के खंड किए, जिनमें से 51 हिस्से पृथ्वी पर गिरे और वहां 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई। इसके बाद माता ने पर्वतराज हिमालय के घर पार्वती (गौरी) के रूप में पुनर्जन्म लिया।

भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती का मंगल विवाह

कथा का सबसे मनमोहक प्रसंग शिव-पार्वती विवाह का रहा। सुमित महाराज ने बताया कि कैसे भगवान शिव भस्म लगाकर, गले में सर्पों की माला पहनकर और नंदी पर सवार होकर भूत-प्रेतों की अनोखी बारात लेकर माता पार्वती से विवाह करने पहुंचे। विवाह के इस मनमोहक प्रसंग पर पूरा पंडाल उत्सव में डूब गया। सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे में..और आज भोले की शादी है...जैसे सुमधुर भजनों पर उपस्थित सभी माताएं और श्रद्धालु झूमने लगे। विवाह की जीवंत झांकी, टिकावन और भगवान की मंगल आरती के साथ तृतीय दिवस की कथा का विश्राम हुआ।

15 तक सभी ...

भूजल पुनर्भरण के लिए व्यापक पहल करने के निर्देश दिए हैं। उद्यानों, बोरवेलों, हैंडपंपों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास रिचार्ज पिट बनाने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि वर्षा का पानी सीधे जमीन में समाहित होकर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक बन सके। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मानसून शुरू होने से पहले सभी आवश्यक संरचनाओं का निर्माण और मरम्मत कार्य पूरा कर लिया जाए।

समय पर पूरा ...

लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शिकायतों का संवेदनशील एवं समयबद्ध

पेज 11 के शेष

निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी मानसून को देखते हुए विद्युत विभाग को खराब ट्रांसफार्मरों की मरम्मत, नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना तथा लटकते बिजली तारों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। वहीं आबकारी विभाग को अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन तथा संबंधित अधिकारियों को अवैध प्लांटिंग के मामलों पर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में जल शक्ति अभियान, पीएम स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन, लंबित राजस्व प्रकरण, जनदर्शन आवेदनों सहित विभिन्न योजनाओं और विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कल व्यापम की दो बड़ी ...

लेखक (स्काइब) की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ऐसे अभ्यर्थियों के लिए अलग कक्ष की व्यवस्था की जाएगी तथा वहां दो वीक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। सहयोगी लेखक को बारहवीं उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा तथा परीक्षार्थी एवं लेखक दोनों को निर्धारित घोषणा पत्र भरना अनिवार्य रहेगा। इसके साथ ही परीक्षार्थी को मेडिकल प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को परीक्षा में 40 मिनट का अतिरिक्त समय प्रदान किया जाएगा।

खबर संक्षेप

लोगों की अपेक्षाओं को जानने सीए व्यापारियों से मिले शिक्षामंत्री गजेंद्र

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत सोमवार को मंत्री गजेन्द्र यादव ने शहर के व्यापारिक, चिकित्सकों, दवा विक्रेताओं, सीए और अन्य लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि व्यापारी, चिकित्सक, चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोग समाज और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। इनके अनुभवों से शासन को जनहितकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलती है। उन्होंने उपस्थित जनों से क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन, व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार तथा नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में सुझाव भी लिए। गजेन्द्र यादव बस स्टैंड स्थित मेडिकल कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उन्होंने दवा व्यवसाय एवं चिकित्सा उपकरणों से जुड़े व्यापारियों से मुलाकात की। साथ ही कोठारी नर्सिंग होम के चिकित्सकों से भेंट कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यापारिक गतिविधियों से संबंधित विषयों पर चर्चा की। गजेन्द्र यादव गंजपारा स्थित जीवन प्लाजा पहुंचे, जहां उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से संवाद किया। वहीं पुलगांव चौक क्षेत्र में कपड़ा व्यापारियों से मुलाकात कर वर्तमान व्यावसायिक परिस्थितियों, चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महेन्द्र लोढ़ा, पार्षद कुलेश्वर साहू सहित अन्य मौजूद थे।

रसोई गैस के बढ़ते दाम से बढ़ी महंगाई

दुर्ग। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के बढ़े दाम की वजह से महंगाई बढ़ते जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के महामंत्री राहुल शर्मा ने कहा कि जब से केंद्र में भाजपा की सरकार काबिज है, तब से देश की जनता के ऊपर कहर ढा रही है। ईंध के दाम बढ़ने की वजह से महंगाई चरम सीमा तक पहुंच गई है। युवकों को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। महिलाएं सुरक्षा मांग रही हैं। राहुल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार महंगाई से जनता त्रस्त है। पिछले 15 दिनों में कई बार पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ाए गए हैं। महंगाई को कम करने की दिशा में तत्काल उपाय किए जाएं। अन्यथा कांग्रेस को पूरे देश में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

आयोजन : जिले के चारों विकासखंडों के शिक्षक होंगे शामिल

कक्षा 7वीं की नई पाठ्य पुस्तकों और एफएलएन प्रशिक्षण की कार्ययोजना तैयार, 11 जून से सात दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कक्षा 7वीं की नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) आधारित नवीन पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) बेमेतरा में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। इसके तहत शिक्षकों के लिए सात दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 जून से प्रारंभ होगा।

प्रशिक्षण के प्रथम चरण में पांच दिवस ऑनलाइन सत्र आयोजित किए जाएंगे, जबकि दो दिवस शिक्षकों को असाइनमेंट आधारित गतिविधियों पर कार्य करना होगा। इस प्रकार कुल सात दिनों तक प्रशिक्षण प्रक्रिया संचालित की जाएगी। प्रशिक्षण का आयोजन प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। प्रशिक्षण में माध्यमिक स्तर पर हिंदी, गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत एवं विज्ञान विषयों को शामिल किया गया है। वहीं प्राथमिक स्तर पर गणित, भाषा, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, खेल एवं योग तथा कला शिक्षा से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सभी प्रशिक्षण विकासखंड स्तर पर बैचवार आयोजित होंगे तथा प्रत्येक बैच में अधिकतम 65 शिक्षकों को शामिल किया जाएगा।

चारों विकासखंडों में बनाए गए चार-चार जोन

प्राथमिक विद्यालय स्तर के प्रशिक्षण के लिए जिले के चारों विकासखंड—बेरला, बेमेतरा, साजा एवं नवागढ़ में चार-चार जोन निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक जोन में तीन-तीन बीआरजी (ब्लॉक रिसोर्स ग्रुप) सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण की नियमित निगरानी जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों तथा डाइट के अकादमिक सदस्यों द्वारा की जाएगी। प्रशिक्षण को प्रभावी और गुणवत्ता पूर्ण बनाने के लिए जिला स्तर पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स ग्रुप) तथा अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा सभी जोनों में सहयोग प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया तथा प्रशिक्षण संचालन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। डाइट प्राचार्य ने दिया जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संदेश बैठक को संबोधित करते हुए डाइट प्राचार्य जे.के. घृतलहरे ने सभी डीआरजी एवं बीआरजी सदस्यों से प्रशिक्षण की सफलता के लिए पूर्ण समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उप प्राचार्य डॉ. कमल कपूर बंजारे तथा सहायक संचालक एस.पी. कोशले ने भी प्रशिक्षण की रूपरेखा और महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डाइट बेमेतरा के सहायक प्राध्यापक परस राम साहू, देवी प्रसाद चंदेश्वर, प्रहलाद कुमार टिकरिहा, व्याख्याता थलज कुमार साहू, यमुना जांगड़े, जी.एल. खुटियारे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बेमेतरा कामिनी महिलांगे, बीईओ नवागढ़ हितेंद्र बंजारे, बीआरसी साजा खोमलाल साहू, बीआरसी बेमेतरा राजेन्द्र साहू, बेरला से सुरेंद्र पटेल, एसआरजी पवन कुमार देवांगन, डीआरजी आशा चंदेल, यामिनी बर्मन, खिलेंद्र साहू सहित अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साकेत बिहारी तथा विभिन्न विकासखंडों के लगभग 60 बीआरजी सदस्य उपस्थित रहे।

जिला साहू संघ की बैठक कल संगठनात्मक विस्तार न्यायालयीन प्रकरणों पर होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिला साहू संघ बेमेतरा (सम्बद्ध छत्तीसगढ़ साहू संघ, पंजीयन क्रमांक 33/61) की एक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बैठक आगामी 11 जून जिला मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। संगठन की गतिविधियों, प्रशासनिक कार्यों तथा वर्तमान परिस्थितियों को लेकर बुलाई गई इस बैठक में जिले भर के तहसील, परिक्षेत्र, ग्रामीण एवं नगर साहू संघों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है। जिला साहू संघ के अध्यक्ष नारद साहू तथा महासचिव बेनूराम साहू द्वारा जारी सूचना के अनुसार बैठक का आयोजन 11 जून को दोपहर 2 बजे से जिला साहू संघ (भामाशाह कार्यालय), बेमेतरा में किया जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक के दौरान संगठन के मासिक आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे पदाधिकारियों को संघ की वित्तीय गतिविधियों की जानकारी मिल सके। दी गई जानकारी अनुसार बैठक में जिला साहू संघ बेमेतरा से जुड़े वर्तमान हालात तथा न्यायालय में लंबित विभिन्न प्रकरणों की स्थिति से भी पदाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। संगठन के नेतृत्व द्वारा इन मामलों में अब तक हुई कार्रवाई और आगामी रणनीति पर विस्तार से जानकारी साझा की जाएगी, ताकि समाज के प्रतिनिधियों को वस्तुस्थिति की स्पष्ट जानकारी मिल सके। छत्तीसगढ़ साहू संघ के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के तहत वृक्षारोपण अभियान को लेकर भी बैठक में विशेष चर्चा होगी। जिला साहू संघ ने सभी संबंधित पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सक्रिय सदस्यों से समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

- तहसील, परिक्षेत्र, ग्रामीण एवं नगर इकाइयों के पदाधिकारियों को अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सती चरित्र एवं ध्रुव चरित्र का हुआ भावपूर्ण वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानखम्हरिया

स्थानीय रामचंद्र सागरमल धर्मशाला में वार्ड क्रमांक 23 एवं नगरवासियों के सहयोग से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य अक्षय नारायण दुबे ने सती चरित्र एवं भक्त ध्रुव की प्रेरणादायक कथा का भावपूर्ण वर्णन किया।

- सती चरित्र से आत्मसम्मान और श्रद्धा का संदेश
- गुरु और आराध्य के अपमान वाले स्थान पर न जाएं : आचार्य

कथा के दौरान आचार्य दुबे ने कहा कि यदि अपने गुरु, इष्ट अथवा आराध्य के अपमान की आशंका हो तो ऐसे स्थान पर नहीं जाना चाहिए, चाहे वह अपने जन्मदाता पिता का घर ही क्यों न हो। सती चरित्र के प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान शिव की सलाह की अवहेलना कर माता सती अपने

पिता दक्ष के यज्ञ में पहुंचीं, जहां अपमानित होने के कारण उन्होंने आत्मदाह कर लिया। यह प्रसंग आत्मसम्मान, श्रद्धा एवं विवेक का संदेश देता है। भक्त ध्रुव की कथा सुनाते हुए महाराज श्री ने कहा कि राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव को उनकी सौतेली माता सुरुचि द्वारा अपमानित किया गया, किंतु उनकी माता सुनीति ने धैर्य एवं संयम का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि परिवार को सुरक्षित एवं संगठित बनाए रखने के लिए धैर्य, संयम और सद्विचार अत्यंत आवश्यक हैं। आचार्य दुबे ने बताया कि ध्रुव ने बाल्यावस्था में ही कठोर तपस्या कर भगवान श्रीहरि को प्रसन्न किया और अपनी अटूट भक्ति के बल पर ध्रुव पद तथा वैकुंठ लोक की प्राप्ति की। उन्होंने कहा कि भक्ति के लिए आयु कोई बाधा नहीं होती। बच्चों को बचपन से ही धर्म, संस्कार और भक्ति की शिक्षा देनी चाहिए, क्योंकि बाल मन कच्ची मिट्टी के समान होता है, जिसे उचित दिशा देकर श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है। कथा व्यास ने आगे कहा कि मनुष्य को अपने कर्मों के अनुरूप ही फल प्राप्त होता है। सत्कर्म, श्रद्धा और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास ही जीवन को सफल बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब-जब संसार में पाप और अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे और कथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

समाधान शिविर में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ लाटा में आयोजित शिविर में 36 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

बेमेतरा। सुशासन तिहार के तहत बेरला विकासखंड के ग्राम पंचायत लाटा में आयोजित समाधान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक दीपेश साहू ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन, संवेदनशीलता और सेवा के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर में

क्लस्टर क्षेत्र के 36 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विधायक ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बेमेतरा में लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे नालंदा परिसर, आधुनिक ऑडिटोरियम तथा युवाओं के लिए निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर ग्राम लाटा में सीसी रोड निर्माण, स्कूल किचन शेड के जीर्णोद्धार और पंचायत भवन में आहता निर्माण की घोषणा की गई। साथ ही अमोरा बैराज परियोजना को क्षेत्र के किसानों और आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा सेवा एवं जनजागरूकता स्टॉल लगाए गए। आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, किसान किताब, प्रधानमंत्री आवास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और मातृ वंदना योजना सहित कई योजनाओं के लाभ हितग्राहियों को वितरित किए गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का किया भावपूर्ण वर्णन

साजा। भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर पं. सत्येन्द्र कृष्ण शास्त्री ने मनु महाराज के पुत्र प्रियव्रत के चरित्र से कथा का प्रारंभ करते हुए ऋषभदेव, भरत, जड़भरत, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, प्रह्लाद चरित्र, नरसिंह अवतार, वामन अवतार तथा रामावतार का संक्षिप्त वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं और सच्ची शरणागति से जीवन का कल्याण होता है।कथा के अंत में श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। शास्त्री जी ने बताया कि पृथ्वी पर बढ़ते अत्याचार और कंस के आतंक से व्याकुल होकर देवताओं की प्रार्थना पर भगवान श्रीकृष्ण ने

देवकी और वसुदेव के यहां अवतार लिया। वसुदेव जी उन्हें गोकुल ले गए, जहां यशोदा मैया के स्नेह में उनका पालन-पोषण हुआ। कथा का सार यही रहा कि भक्ति, वैराग्य, धर्म और भगवान की शरण ही जीवन के कल्याण का मार्ग है।

पर्यावरण संरक्षण आज मानव अस्तित्व की आवश्यकता : डॉ. एल.के. रामटेके

पर्यावरण दिवस पर कृषि महाविद्यालय साजा में पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र साजा में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण, पर्यावरण जागरूकता व्याख्यान तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रेरक भाषण प्रस्तुत किए गए। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एल.के. रामटेके के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. ओम कुमार नेताम ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। वे न केवल हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने, भूमि एवं जल संरक्षण तथा जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व, जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उनके वक्तव्यों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

परिसर में हुआ वृक्षारोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान पौधों के महत्व, जैव विविधता संरक्षण और स्वच्छ एवं हरित वातावरण की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने तथा स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में डॉ. निझरिणी नंदेहा, डॉ. श्रुति वर्मा, डॉ. ज्योति बाला, श्री वी.डी. शर्मा सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।